

सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

१वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-पाँचवीं

विषय: हिंदी

पाठ १६: डाकू रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि तक की यात्रा

प्रस्तुत पाठ से कोई 10 कठिन शब्द स्वयं छाँट कर अपनी हिंदी कार्य पुस्तिका में लिखिए।

लघुत्तरीय प्रश्न

उ०१-रत्नाकर डाकू और उसके साथी जंगल में रहकर वहाँ से गुज़रने वाले यात्रियों को लूटा करते थे।

उ०२-रत्नाकर की पत्नी ने कहा कि परिवार का पालन करना आपका कर्तव्य है इस पाप कर्म में मेरा और बच्चों का कोई हिस्सा नहीं है।

उ०३-रत्नाकर ने अपने पिता से यह प्रश्न पूछा कि मैं जो यह पाप कर्म करता हूँ क्या आप उसमें मेरे साथ हैं?

उ०४-नारद मुनि के अनुसार रत्नाकर राजा या प्रजा से डरकर जंगल में छिपा बैठा था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उ०१-नारद मुनि ने रत्नाकर को घर जाकर परिजनों से यह पूछने को कहा कि क्या वे इस पाप में तुम्हारे पकड़े जाने या तुम्हें दंड मिलने पर उस दंड के हिस्सेदार बनेंगे?

उ०२-रत्नाकर के यह कहने पर कि वह किसी से नहीं डरता नारद जी ने मुस्कुरा कर यह कहा कि तुम पाप के डर से यहाँ छिपे बैठे हो क्या तुम्हें पता है कि इस पाप के भागीदार केवल तुम हो इसका दंड भी तुम्हें अकेले ही भुगतना पड़ेगा।

उ०३-अपने परिवार की बातें सुनकर रत्नाकर यह सोचने पर मजबूर हो गया कि जिस परिवार के लिए वह लूटपाट, हत्या जैसे कुकृत्य कर रहा था उसका कोई भी सदस्य उसके पाप में भागीदार बनने को तैयार नहीं है।

उ०४-नारद मुनि ने रत्नाकर को राम नाम जपने को कहा तो उसके मुँह से राम के स्थान पर मरा - मरा निकलता था वह जंगल में तपस्या करने लगा तब करते समय उसके शरीर पर दीमकों ने अपनी बाँबी बना ली। दीमक की बाँबी को वाल्मीकि कहा जाता है तप समाप्त होने पर रत्नाकर वाल्मीकि से निकला इसलिए उसे वाल्मीकि कहा जाने लगा।

रिक्त स्थान

१-वहाँ से गुजरने वाले यात्रियों को लूटना उसका और उसके साथियों का प्रतिदिन का काम था।

२-रत्नाकर ने अपने साथियों समेत नारद मुनि को घर लिया।

३-इस पाप के भागीदार केवल तुम हो।

४-डाकू रत्नाकर को वास्तविकता का ज्ञान हो गया।

५-उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं ब्रह्मा जी ने उन्हें महाकाव्य रामायण लिखने की प्रेरणा दी।

६-महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना की।

नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर स्वयं वाक्य प्रयोग कीजिए।

१-बीहड़

२-खौफ़

३-वास्तविकता

४-कुकृत्य